ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नः- 02
ट्रैक नः- ZOOM0031
ट्रैक समयावधिः- 38 : 31
कलाकार का नामः- सुभान खॉं
पिता का नामः- खमे खॉं
पता :- गॉंव- बड़नावा चारणान् तेह- पचपदरा
जिला - बाड़मेर
सहायक कलाकारः-
विडियो रिकॉर्डिंगः-
विषयः- कथा (फुटिया राजा)
विशेष विवरणः-
दिनांकः- 10/06/2021
स्थानः- बड़नावा चारणान्
गायन/वादनः-

यह कथा पुटिया राजा नाम से प्रचालित है। कथा में उज्जैन नगरी बादशाह की रानी एक पक्षी की खुबसुरत पंख देखती है और अपने पती से कहती है कि अगर आप इस पक्षियों के परों से एक गद्दा बनवाए और उस पर हम सोए तब तुम मेरे पाते हो नहीं तो तेरा मेरा कोई भी रिस्ता नहीं है। वह वहां का राजा होता है तो उस सरोवर पर भी उसका आधिकार होता है वह सुबह सरोवर पर जाकर सभी पक्षियों से कहता है कि या तो तुम स्वंय अपने पर दे दो नहीं तो मैं आपको मारकर भी अपके पर ले लुंगा यह बात सुनकर सभी पक्षी शांत हो जाते है और दुखी हो जाते है। राजा कहता है कि कल मैं आऊँगा और पर लेकर जाऊंगा। अब सभी छोटे बड़े पक्षी दुखी है तथा एक छोटा पक्षी पुटिया बोलता है कि मैं आप सभी को बचा सकता है अगर 'तुम सभी मेरा कहना मानो तो इस तराह सभी पक्षी जैस पुटिया कहता है वैस ही करते है। सुबह जब राजा आता है तो सभी पक्षी बोलते कि हम पर तो दे देंगे लेकिन हमारे मुखीया जी ये पुछ कर देंगे तो वे सभी उसका इन्जार करते करते है तो थोड़ी देर में पुटियो पक्षी छोटसा वहा आकर बैठना है तो सभी पक्षी उसे प्रणाम करते है। तो वहा बैठा हुआ नींद ले रहा है तो राजा उसे पुछता कि मुखीयाजी नींद क्यु ले रहे हो तो वह कहता है कि पूरी रात नींद नही ली जब तक मसला हल नहीं हुआ। राजा पुछता है कि कैसा मसला था तो वह कहता है कि कुछ कह रहे थे आदमी जायदा है और कुछ कह रहे थे औरते जायदा है। राजा कहता है कि आपने क्या कहा वह कहता है मैंने भी कहा औरते जायदा है। राजा कहता है कैसे वह कहता है कि जो आदमी अपनी औरत के कहने पर चलता तो वो आदमी कहावह भी औरत है इस प्रकार से औरते जायदा है। यह बात सुनकर राजा सोचता है कि मैं भी औरत के कहने पर ही आया तो मैं भी उन आदमीयो में से हूँ तो वह सभी पक्षियों से कहता है कि मैं अब आपके पर नहीं लुँगा और अपने घर चला जाता है। राजा को खाली हाथ आते देख उसकी पत्नी बहुत गुस्सा हो जाती है तो न तो खाना बनाती और राजा से नाराज हो जाती है तो राजा उसे

उसे जैसे तैसे करके मनाता है और कहता है कि सुबह मैं जाऊँगा और पका पक्षीयो के पर लेकर आ जाऊगा। और सुबह होते ही फिर से अपने हाजरियो को लेकर सरोवर पर जाता है तो पक्षी यही कहते है कि [redacted] पर हम आपको दे देंगे लेकिन हमारे मुखिया जी को आने दो। तथा पुटिया राजा उसी तरह सभी के बीच में आकर बैठता है और नींद ले रहा है तो राजा फिर से पूछता है तो वह कहता है कि पूरी रात मसला हल करने में बीत गई राजा पूछता है कि क्या मसला था तो पुटिया कहता है कि कोई कह रहे थे पगड़ी ज्यादा है और कोई कह रहे थे ओडना ज्यादा है तो राने कहा कि आप ने क्या कहा पुटिया कहता है कि मैंने कहा [redacted] ओडना ज्यादा है राजा पूछता है कैसे वह कहता है कि जो व्यक्ति अपनी बात कह देता है और फिर अपनी जुबान पर अम्ल नहीं करता है और अपनी बात से मुकर जाता है तो उसके सिर बांधी पगड़ी नहीं होती है ओडना ही ओड़ा होता है यह बात सुनकर राजा शर्म से लाल हो जाता है राजा सोचता है कि मैंने कल कहा था कि पर नहीं लेजाऊगा और आज फिर आ गया हूँ। तथा राजा फिर से कह देता है कि मैं आपके पर नहीं लूँगा। पुटिया पक्षी राजा से कहता है कि जैसा मैं कहता हूँ वैसा करो आपकी रानी मान जाएगी। राजा अपने हाजरियो से रानी को पैगाम भेजते कि तुम तो पक्षियो के परों के गद्दे वगैर मानोगी नहीं इसलिए राजा दूसरी शादी करने जा रहे है यह सुनकर रानी राजा के पास आती है और कहती है अब मैं तुमसे कुछ भी नहीं मांगूँगी और तुम दूसरी शादी मत करो। इसप्रकार राजा और रानी अपने घर जाते है। पुटिया पक्षी अपनी अक्ल से सभी जानवरों पक्षियो की जान बचा लेता है। और वे सभी [redacted] पक्षी पुटिये पक्षी को धन्यावाद देते है।